साइबर तहसील

चर्चा में क्यों?

साइबर तहसील **मध्य प्रदेश सरकार के राजस्व विभाग** द्वारा भूमि संबंधी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिये कार्यान्वित की गई एक **डिजिटल गवर्नेंस पहल** है।

प्रमुख बिंदु:

- **राज्यव्यापी विस्तार: 1 जून 2022** को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लॉन्च किया गया, अब इसे सभी **55 ज़िलों** में लागू किया जाएगा।
- **उद्देश्य:** भूमि पंजीकरण और हस्तांतरण प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाना, मैनुअल हस्तक्षेप को कम करना एवं पारदर्शिता में सुधार करना।
- **कागज़ रहित प्रणाली:** भूमि हस्तांतरण पूरी तरह से स्वचालित और ऑनलाइन है, जो संपत्ति पंजीकरण के बाद स्वचालित रूप से शुरू हो जाता है।
- **त्वरित समाधान:** संपूर्ण प्रक्रिया **15 दिनों** के भीतर पूर्ण हो जाती है, जिससे तीव्र और कुशल सेवा सुनिश्चित होती है।
- **स्वचालित मामला निर्माण:** पंजीकृत मामले स्वचालित रूप से **महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक (Inspector General of Registration and Stamps- IGRS)** पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत हो जाते हैं, जिससे मैनुअल विलंब कम हो जाता है।
- **डिजिटल डिलीवरी:** अद्यतन भूमि रिकॉर्ड सीधे **ईमेल या व्हाट्सएप** के माध्यम से भेजे जाते हैं।
- **न्यायालयीन मामले में कमी: 14 लाख** पंजीकृत मामलों में से **2 लाख** मामलों का निपटारा न्यायालय में उपस्थिति के बिना किया गया, जिससे न्यायिक बोझ कम हुआ।

पंजीयन एवं मुद्रांक महानिरीक्षक

- IGRS एक प्रमुख अधिकारी होता है जो किसी राज्य में दस्तावेज़ों के **पंजीकरण** और मुद्रांकन प्रक्रिया के प्रबंधन तथा देखरेख का प्रभारी होता है।
- IGRS **विभिन्न कानूनी दस्तावेज़ों** जैसे संपत्ति विलेख, विवाह प्रमाण-पत्र और अन्य **महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ों के पंजीकरण का पर्यवेक्षण** करता है।
- यह **सुनिश्चित करना कि पंजीकरण प्रक्रिया** राज्य द्वारा निर्धारित कानूनी आवश्यकताओं और मानकों का अनुपालन करती है।
- **मुद्रांक शुल्क के संग्रह का प्रबंधन** करता है, जो कुछ दस्तावेज़ों पर लगाया जाने वाला कर है।
- **मुद्रांक शुल्क विनियमों का अनुपालन** सुनिश्चित करना तथा उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cyber-tehsil-1